REAL FEELINGS OF FIRST PRIZE WINNER ON REPUBLIC DAY-2015

६६वाँ गणतन्त्र दिवस - एक अफसाना

याद रहेगा हमेशा मुझे, यह गणतन्त्र दिवस मनाना
ठंड बहुत थी, वर्षा भी हुई, फिर मौसम हुआ सुहाना
अब आगे जो कुछ हुआ, सुनाती हूँ मैं आपको कोहाना
प्रोग्राम के लिए बहुत बच्चे आए, किया नाम लिखवाना
कुछ ने किया नृत्य, किसी ने सुनाई कविता या फिर गाना
मुझे फिर पुकारा गया, था 'Happiness' पर काव्य सुनाना
यह सिर्फ एक कविता नहीं, जानो तो खुशियों का खजाना
अब मुझे बुलाया गया, इस बार 'Casio' पर धुन बजाना
बस जैसे ही मैंने शुरू किया, बजी घण्टी सबके कान की
गीत था- "आओ बच्चों तुम्हें दिखाएं झाँकी हिन्दुस्तान की
लोगों ने बजाईं तालियाँ, सब ने की बहुत सराहना
मैं अब बिल्कुल भूल गयी, मंच से जरा भी घबराना
बहुत ऊँचाईयाँ छू सकती हूँ, मैंने आज खुद को पहचाना
आज के इस तजुर्बे से, मैंने अपने दिल में ठाना
लक्ष्य की ओर मैं बढ़ती जाऊँगी, चाहे विपरीत हो जमाना
मैं चाहती हूँ सब को अब, अपना यह सन्देश पहुँचाना
लड़कियो! तुम देश की शक्ति हो, भारत का गौरव बढ़ाना
तुम में से कोई लाल किले पर, प्यारा यह तिरंगा फहराना

26th Jan. 2015

जय हिन्द!

KOHANA JAIN.

KOHANA MAUVE - II